Prospectus
मार्गदर्शिका

सानिध्य
भारत भूषण
महंत श्री डॉ. नानक दास
जी महाराज
सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान
बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान

भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक
डॉ. अभिषेक कुमार
संस्थापक अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

मानवता संबंधित विभिन्न विषयों पर अनुसंधान
Research on Various Humanity Topics

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र
Divya Prerak Kahaniyan Humanity Research Center

Regd. Under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India
Regd. Under Process Indian Trust Act, 1882 Government of India

www.dpkavishek.in

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र
Divya Prerak Kahaniyan Humanity Research Center

दिव्य प्रेरक कहानियाँ एक नज़र में

वैचारिक चेतना मंच **"दिव्य प्रेरक कहानियाँ"** मानवता अनुसंधान, साहित्य विधा पठन एवं ई-प्रकाशन केंद्र की स्थापना 01 जून 2021 को भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक श्री डॉ. अभिषेक कुमार जी के द्वारा की गयी। इसका उद्देश्य मानवता संबंधित अनेक विषयों पर अनुसंधान, साहित्य सृजन एवं प्रकाशन संबंधी भारी-भरकम व्यय को न्यूनतम, शून्य करने के साथ-साथ लेखकों, रचनाकारों को पूर्णतः निःशुल्क प्रोत्साहन एवं सहयोग करना है तथा साहित्य जगत की प्रकाशमयी मनोरम दुनिया में लेखक और पाठकों को पुनः रुचिमय बनाना है। इस वैश्विक साहित्यिक, सामाजिक मंच पर लेखकों की कृतियाँ विश्व स्तर पर निःशुल्क प्रकाशित हो रही हैं एवं उसके विक्रय के उपरांत रॉयल्टी स्वरूप धनार्जन भी हो रहा है तथा पाठक वर्ग को भी बिल्कुल सस्ते, सहज, मामूली शुल्क या निःशुल्क में कई रचनाकारों की रचनाएँ ई-पठन का विकल्प मिल रहा है।

दिव्य प्रेरक कहानियाँ वैचारिक चेतना मंच पर निःशुल्क ISBN प्रदान करने की सेवा, 50 से अधिक विषयों पर ब्लॉग पोस्ट पढ़ने एवं लिखने का विकल्प, 75 से अधिक विषयों पर मानवता संबंधित अनुसंधान के विकल्प के साथ-साथ ई-प्रकाशन, कॉपीराइट सेवा, पुस्तक डिज़ाइनिंग, मुद्रण जैसे सेवा के विकल्प मौजूद हैं।

मानवता पर अनुसंधान का उद्देश्य

वर्तमान युग में खत्म होते मानवीय गुणों एवं नैतिक मूल्यों के कृष्टिगत मानवता पर अनुसंधान महत्वपूर्ण विषय है। दुनिया में निर्जीव पदार्थ से लेकर सजीव तक सभी अपने-अपने नियम सिद्धान्त मर्यादा की डोर में बंधे हैं। संसार की सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्यों को नियम-अनुशासन के डोर में बांधे रखने वाले धर्म शास्त्रों से दूरी दिन- प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। ऐसे-ऐसे कृत्य और दृश्य नज़रों के सामने आ जाते हैं, जहाँ मानवता और नैतिकता शर्मशार दिखती है। मनुष्य जीवन बिना नैतिकता, मानवता एवं आदर्श बिंदु के परिपालन के बगैर पुष्पित और पल्लवित नहीं हो सकता। ऐसे में ज़रूरी हो जाता है कि मानवता पर एक नए सिरे से अनुसंधान हो जबकि ऐसा भी नहीं है। इससे पूर्व मानवता पर अनुसंधान न हुआ हो..! सत्य -सनातन, धर्म-संस्कृति के अनेक संत, महात्मा, ऋषि, मुनियों, महर्षियों ने वर्षों के तप, परिश्रम, अनुसंधान से जो वेद, पुराण, उपनिषद लिखें हैं, उनका अध्ययन, मनन-चिंतन एवं जीवन में उतारने से वास्तव में आत्मीयता मानवता के सर्वोच्च बिंदु पर पथ-प्रदर्शक करने वाला दिव्य प्रेरणा प्रकाश पुंज है पर आधुनिक चकाचौंध, भागदौड़ भरे जीवन और धन की तृष्णा के आगे स्वाध्याय के लिए फुर्सत कहाँ है?

पौराणिक सभ्यता- संस्कृति, धरती पर आए एक के बाद एक अनेक असाधारण महापुरुषों के जीवन दर्शन एवं विभिन्न धार्मिक ग्रंथों के मूल सार पर अनुसंधान हो जिसमें मानवता के निचोड़, सत्य, प्रेम, आपसी एकता, अखण्डता, सौहार्द, भाईचारा, सहयोग और सद्भावना के मीठे निर्मल जल की नदियाँ बहें, जहाँ असंख्य प्यासे जी-भर के रोज़ पीयें, फिर भी कोई घाटा पड़ने वाला न हो और उत्तरोत्तर वृद्धि होती चली जाए।

राजतंत्र का दीपक कब का बुझ चुका है, प्रजातंत्र के दीपक में बहुत तेल नहीं बचा है, इस बीच उपजे स्वार्थ, काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, अहंकार ईर्ष्या, द्वेष, छल, कपट, प्रपंच, झूठ, फरेब जैसे हृदय विदारक घावों पर मानवता की मरहम बहुत ही ज़रूरी है। ऐसे में स्वकल्याण, जगत-कल्याण एवं आधुनिक भारत के नव-निर्माण में मानवता जैसे विषय पर अनुसंधान प्रासंगिक हो जाता है।

मानवता संबंधित अनुसंधान का विषय

1. मानवता की ज़रूरत एवं व्यापकता
2. सत्य सनातन धर्म और मानवता
3. बौद्ध धर्म और मानवता
4. सिख धर्म और मानवता
5. जैन धर्म और मानवता
6. पारसी धर्म और मानवता
7. इस्लाम धर्म और मानवता
8. ईसाई धर्म और मानवता
9. यहूदी धर्म और मानवता
10. सर्वधर्म के निचोड़ और मानवता
11. भारतीय संस्कृति और मानवता
12. संत, महात्मा, ऋषि, मुनि, महर्षि परंपरा और मानवता
13. सद्‌गुरु कबीर और मानवता
14. स्वामी विवेकानंद और मानवता
15. महात्मा गांधी और मानवता
16. रहीम और मानवता
17. संत रविदास और मानवता
18. बाबा साहिब डॉ.भीमराव अंबेडकर और मानवता
19. दुनिया के कोई भी असाधारण व्यक्ति, उनके व्यक्तित्व और मानवता
20. भारतीय संविधान और मानवता
21. विश्व कल्याण और मानवता
22. प्रकृति पर्यावरण सुरक्षा और मानवता
23. पशु, पक्षी, जीव, जंतु कल्याण और मानवता
24. वेद, पुराण, शास्त्र, उपनिषद और मानवता
25. सतयुग और मानवता
26. त्रेतायुग और मानवता
27. द्वापरयुग और मानवता
28. कलयुग और मानवता
29. सत्य, सौहार्द, आपसी एकता, प्रेम, सहयोग और मानवता
30. ईमानदारी, नैतिक मूल्यों, संस्कार और मानवता
31. गुरुकुल शिक्षा पद्धति और मानवता
32. योग शक्ति और मानवता
33. सामाजिक, आर्थिक परिदृश्य और मानवता
34. नाथ सम्प्रदाय और मानवता
35. विभिन्न उप धर्म, सम्प्रदाय और मानवता
36. आस्था, विश्वास के केंद्र और मानवता
37. कर्मों के अकाट्य सिद्धान्त और मानवता
38. श्रद्धा, भक्ति, विश्वास और मानवता
39. आध्यत्मिकता, धार्मिकता और मानवता
40. व्यापार, रोज़गार और मानवता
41. राजनीति और मानवता
42. श्रीमद्‌भागवत गीता और मानवता
43. महाभारत कथा और मानवता
44. रामायण कथा और मानवता
45. साहित्य सृजन, पठन और मानवता
46. सत्व, तम, रज और मानवता
47. खाद्यान्न उत्पादन, उपभोग और मानवता
48. घरेलू कलह, अलगाव, परिणाम और मानवता
49. संस्थागत कलह, परिणाम और मानवता
50. आज़ादी के दीवाने और मानवता
51. नारी समस्या, सशक्तिकरण और मानवता
52. बाल श्रम उन्मूलन और मानवता
53. किन्नर जीवन और मानवता
54. दहेजप्रथा उन्मूलन और मानवता
55. मातृभूमि, मातृभाषा, राष्ट्र प्रेम और मानवता
56. सर्वधर्म सौहार्द और मानवता (सौहार्द शिरोमणि डॉ. सौरभ पाण्डेय मॉडल)
57. पी. सी. राम मॉडल स्कूल और मानवता
58. विदेशी संस्कृति और मानवता
59. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानवता
60. कृत्रिम बुद्धिमता (AI), क्वांटम युग और मानवता
61. कला संस्कृति और मानवता
62. अंतरिक्ष विज्ञान और मानवता
63. ज्योतिष शास्त्रऔर मानवता
64. पत्रकारिता और मानवता
65. स्वास्थ्य पोषण और मानवता
66. समाज सेवा और मानवता
67. चिकित्सा सेवा और मानवता

68. इतिहास, पुरातत्व और मानवता
69. वर्तमान शिक्षण प्रणाली, शैक्षणिक संस्थान और मानवता
70. पर्व, त्योहार, समरण दिवस/जयंती और मानवता
71. अश्लीलता का प्रभाव और मानवता
72. छल, कपट, प्रपंच, अवसरवाद और मानवता
73. मान्यतावाद, रूढ़िवादी परंपरा और मानवता
74. पशु क्रूरता और मानवता
75. तानाशाही, दमनकारी नीति और मानवता
76. आदिवासी समाज और मानवता
77. कीट पतंगों के मौलिक अधिकारी और मानवता
78. जंगल की चीख पुकार और मानवता
79. नदियों की सहनशीलता, संरक्षण, जलसंचयन और मानवता
80. मानवता से संबंधित अन्य किसी भी विषय

नोट- उपरोक्त विषय में से अनुसंधान हेतु किसी एक विषय का चयन करें ।

अनुसंधान के लिए योग्यता

जीवन का सच्चा अनुभव, ज्ञान, एवं हृदय का उद्‌गार ही किसी व्यक्ति के योग्यता का पैमाना है। इस लिए ऊपर वर्णित मानवता से संबंधित किसी भी विषयों पर अनुसंधान के लिए कोई न्यूनतम योग्यता निर्धारित नहीं है। दुनिया का कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी विषय में डिग्री धारक हो अथवा नहीं हो वे सभी पात्र हैं। स्पष्ट शब्दों में कोई भी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है।

अनुसंधान के फायदे

दिव्य प्रेरक कहानियाँ अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) के तहत मानवता पर निर्धारित अनुसंधान विषय अपने आप में अद्‌भुत एवं व्यापक है जिसका ताल्लुक मानव जीवन से सीधा है और भारत में इस प्रकार के मानवता अनुसंधान केंद्र दूसरे कोई नज़र नहीं आते। ईश्वर ने प्रत्येक व्यक्ति को एक विशेष हुनर, तजुर्बा और ज्ञान-विवेक के असीमित भंडार देकर धरा पर भेजा हैं पर व्यक्ति इस मायावी दुनिया में इंद्रियों की स्वार्थलुप्ता के चंगुल से निकलकर कितना सार्थक सदुपयोग करता है वह उस पर निर्भर करता है। परंतु कोई भी व्यक्ति जब अपने ज्ञान, विवेक, हुनर, तजुर्बे के सहारे किसी विशेष विषय पर वर्षों के अनुभव से किसी विशेष नतीजे पर पहुँचता है तो वह प्रक्रिया ही अनुसंधान कहलाता है एवं इसके परिणाम स्व कल्याण के साथ-साथ जन कल्याणकारी भी होता है तथा इतिहास में उसकी कृति एवं अनुसंधान परिणाम युग-युगांतर तक अमर हो जाता है क्योंकि शब्द तो ब्रह्म की तरह अमर अविनाशी है। योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण गीता के 10वें अध्याय में कहते हैं- मैं लेखकों में वेदव्यास हूँ और कवियों में शुक्राचार्य अर्थात रचनाकारों, अनुसंधानकर्ताओं में ईश्वर का अंश होता है और वे उस काल समय के घटनाचक्र को भविष्य के लिए प्रेरणात्मक सहेजने, कलमबद्ध करने वाले पुरोधा हैं।

शोधपरक पुस्तकें मन में उठती उमंग की हिलोरों को चाँद से स्पर्श करा देती हैं एवं उसके लेखन, पठन से हृदयस्थ छुपे शत्रुओं का ऐठन भाग जाता है।

सफलता पूर्वक किए गए अनुसंधान पेपर दिव्य प्रेरक कहानियाँ ई-प्रकाशन केंद्र के माध्यम से पूरे विश्व में प्रकाशित की जाएँगी और गूगल पर अनंत समय तक पाठ्य अनुसंधान सामग्री उपलब्ध रहेगी। भारत सरकार सहित संबंधित सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों को भी भेजी जाएँगा ताकि अच्छे नियम/नीति से घोर कलिकाल के कलुषित वातावरण में मानवता के आदर्श बिंदु, नैतिक मानवीय मूल्यों की अहमियत से जन समुदाय को जागृत और सचेत किया जा सके।

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) के माध्यम से किए गए सफलतापूर्वक अनुसंधान पेपर एवं यहाँ से प्राप्त प्रमाण पत्र आपके जीवन के विभिन्न आयामों में खुद स्थापित एवं साबित करने के लिए काम आएगा।

लचीला प्रवेश

ऊपर वर्णित विषय पर अनुसंधान के लिए कोई योग्यता जाँच परीक्षा नहीं है। बस हसरतें, उमंग, जज़्बा, जुनून है तो मानवता के कल्याणार्थ हेतु लग जाइए तथ्यात्मक निचोड़ अनुसंधान पर, बिल्कुल सहज एवं जिस स्थान पर निवास हैं बस वहीं से दिव्य प्रेरक

कहानियाँ के मानवता अनुसंधान केंद्र से और अपनी सामर्थ्य को एक नई उड़ान ऊँचाई दें, वह भी मामूली संसाधन में।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

सर्वप्रथम दिव्य प्रेरक कहानियाँ के वेबसाइट पर जाकर मानवता अनुसंधान केंद्र का पेज www.dpkavishek.in@hrc खोलना होगा वहाँ ऑनलाइन मांगे गए विवरण में अपनी प्रविष्टि दर्ज करनी होगी तथा मानवता संबंधी अनुसंधान के लिए एक विषय का चयन करना होगा। निर्धारित रजिस्ट्रेशन शुल्क सफलतापूर्वक अदा करने के उपरांत आपकी अभिरुचि एवं मानवता अनुसंधान संबंधित प्रस्ताव दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) एडमिन अनुभाग को प्राप्त हो जाएगा। समीक्षोपरांत आपके आवेदन को मानवता पर अनुसंधान हेतु स्वीकृति प्रदान करते हुए आपके द्वारा दिए गए ईमेल आईडी पर रजिस्ट्रेशन संख्या भेज दी जाएगी।

शुल्क

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) द्वारा निर्धारित एवं आपके द्वारा चयनित किसी भी एक विषय पर अनुसंधान के लिए तय सामान्य शुल्क 4,500/- रुपये है। जिसमें रजिस्ट्रेशन शुल्क 1,500/- रुपये प्रति व्यक्ति ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के वक्त भुगतान करना होगा एवं शेष शुल्क 3,000/- रुपये अनुसंधान पेपर जमा करते वक्त देय होगा। महिलाओं को निर्धारित शुल्क में से 25% की रियायत होगी। महिलाओं के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000/- रुपये भुगतान करना होगा एवं शेष 2,375/- रुपये अनुसंधान पेपर जमा करते वक्त देय होगा।

विशेष परिस्थिति में गरीबी रेखा से नीचे गुज़र-बसर करने वाले सभी श्रेणी के महिला,पुरुष व्यक्तियों एवं दिव्यांग जनों का शुल्क में विशेष छूट या निःशुल्क होगा परंतु इसके लिए DPKHRC के संस्थापक अध्यक्ष से लिखित स्वीकृति लेनी होगी।

अनुसंधान अवधि

दिव्य प्रेरक कहानियॉ मानवता अनुसंधान केंद्र द्वारा ऊपर 75 से अधिक निर्धारित विषयों पर अनुसंधान समयावधि एवं रजिस्ट्रेशन वैधता अधिकतम 3 वर्ष की होगी। इससे पूर्व कभी भी अपना अनुसंधान पेपर टंकित पीडीएफ फ़ाइल में ऑनलाइन सम्बंधित पोर्टल पर जाकर जमा कर सकते हैं।

मूल्यांकन

सफलता पूर्वक किये गए संबंधित विषय में अनुसंधान के उपरांत अनुसंधान पेपर दिव्य प्रेरक कहानीयाँ मानवता अनुसंधान केंद्र (DPKHRC) के वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। जिसके उपरांत प्रबंधन समिति द्वारा योग्य विद्वतजनों से मूल्यांकन कराया जाएगा जिसमें यह मापदंड अपनाया जाएगा- 80% से 100% तक अंक लाने वाले शोधार्थियों को A+ श्रेणी, 60% से 79% तक अंक लाने वाले शोधार्थियों को A श्रेणी, 45% से 59% तक अंक लाने वाले शोधार्थियों को B श्रेणी का DPKHRC द्वारा सफलता पूर्वक अनुसंधान पूर्णता का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। 45% से कम अंक लाने वाले शोधार्थियों को पुनः अवसर दिया जाएगा। A+ श्रेणी के सफल शोधार्थी, मानवता में डॉक्टरेट की मानद उपाधि के लिए पात्र होंगे जिनको DPKHRC से सम्बद्ध राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी से उक्त डिग्री की प्राप्ति हेतु अनुसंसा की जाएगी। जिसके लिए संबंधित यूनिवर्सिटी का निर्धारित शुल्क, ऊपर वर्णित शुल्क के अलावा अलग से अदा करना होगा।

वार्षिक आयोजित होने वाले सम्मान/दीक्षांत समारोह में सफल शोधार्थियों को उल्लेखित प्रमाण पत्र/डिग्री व सम्मान पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही साथ भारत सरकार के बौद्धिक संपदाओं का अधिकार कॉपीराइट अधिनियम 1957 के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के कॉपीराइट कार्यालय में पंजीकृत कराया जाएगा तदुपरांत भारत सरकार से आपके द्वारा चयनित शिर्षक और उसमें समाहित समस्त पाठ्य सामग्री पर मुहर एवं हस्ताक्षरित कर भारत सरकार के कॉपीराइट रजिस्टार की ओर से कॉपीराइट सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा। तत्पश्चात मानवता संबंधित आपके द्वारा किये गए अनुसंधान को कोई भी चुरा नहीं सकेगा और उस पर केवल आप ही का सर्वाधिकार सुरक्षित होगा।

संचालन

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केंद्र का भव्य भवन बनना अभी प्रस्तावित है जहाँ मानवीय अनुसंधान लैब के साथ-साथ साहित्य विधा पठन कक्ष, भैतिक एवं ई-पुस्तकालय कक्ष, वैश्विक विचार संग्रहण कक्ष, सेमिनार हॉल, प्रेक्षागृह एवं मीटिंग कक्ष का निर्माण होना लंबित है। रजिस्ट्रेशन शुल्क से प्राप्त आय तथा भामाशाह/धन्नासेठ व्यक्ति जिनके पास अपार धन संपति हो और वह धर्म-कर्म के पुनीत कार्यो में अपनी कमाई का कुछ अंश स्वैच्छिक दान करने की हसरत रखते हों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के निधि और सरकार से वित्तीय सहयोग हेतु मांग कर स्थाई भवन निर्माण कार्य कराया जाना प्रक्रियाधीन है। इससे पूर्व जयहिन्द तेंदुआ, औरंगाबाद बिहार के भूमि से स्थायी संचालित दिव्य प्रेरक कहानियाँ के वेबसाइट www.dpkavishek.in के माध्यम से फिलहाल केवल ऑनलाइन दूरस्थ मोड़ में उक्त मानवता संबंधित अनुसंधान कार्यक्रम संचालित की जाएगी।

मार्गदर्शन/सलाहकार

अखिल भारतीय कबीर मठ, सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान, बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान के भारत भूषण महंत श्री डॉ. नानक दास जी महाराज और स्वयं DPKHRC के संस्थापक भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक उपाधि से अलंकृत श्री डॉ. अभिषेक कुमार एवं गढ़वा, झारखण्ड के व्यंग्य भूषण श्री राजीव भारद्वाज शोधार्थियों के मार्गदर्शक/सलाहकार होंगें।

सानिध्य

सद्गुरु कबीर समाधि स्थलि मगहर, संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश के पीठाधीश्वर महंत आचार्य श्री विचारदास जी महाराज, अयोध्या धाम के महंत श्री सुधीर दास जी महाराज, पं. तिलक राज शर्मा स्मृति न्यास (संयुक्त राष्ट्र अमेरिका) के अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत शर्मा जी, चंडीगढ़ पंजाब से पंजाब सरकार शिक्षा विभाग में कार्यरत डॉ. सुनील बहल जी और धरा धाम गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के सौहार्द शिरोमणि श्री डॉ. (प्रो.) सौरभ पाण्डेय एवं श्री एहसान अहमद के सानिध्य मार्गदर्शन में मानवता संबंधित अनेक विषयों पर अनुसंधान कार्य होंगें।

रजिस्ट्रेशन हेतु ऑनलाइन अप्लाई लिंक-
www.dpkavishek.in/hrc-apply

अब तक रजिस्टर्ड शोधार्थियों की सूची देखने हेतु लिंक-
www.dpkavishek.in/hrc-search

अपना अनुसंधान पेपर जमा करने हेतु लिंक-
www.dpkavishek.in/hrc-submitpaper

संपर्क सूत्र

क्र. सं.	नाम	पदनाम	मोबाइल नं.
1.	महंत श्री डॉ. नानक दास जी महाराज	सानिध्य व मार्गदर्शन	+91 9983461251
2.	श्री डॉ. अभिषेक कुमार	संस्थापक अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक	+91 9472351693
3.	श्री राजीव भारद्वाज	अनुसंधान अधिकारी	+91 9006726655
4.	श्री सूर्य प्रकाश त्रिपाठी	अनुसंधान समन्वयक	+91 9580008185

मूल्य : 250/- मात्र

नई दिल्ली के जनपथ रोड स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय भवन में दिनांक 05/02/2023 को आयोजित कबीर कोहिनूर सम्मान सभा में साहित्य के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए "राष्ट्र लेखक" की उपाधि से विभूषित होते हुए डॉ. अभिषेक कुमार।

नई दिल्ली के जनपथ रोड स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय भवन में दिनांक 05/02/2023 को आयोजित कबीर कोहिनूर सम्मान सभा में साहित्य के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत होते हुए डॉ. अभिषेक कुमार।

कबीर दर्शन की परिकल्पना ही मान्यतावाद,
के नाव से निकलकर
मानवतावाद के पुष्पक विमान में बैठने
का एकमात्र साधन है।

सानिध्य
भारत भूषण
महंत श्री डॉ. नानक दास
जी महाराज
सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान
बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान

किसी एक मान्यतावाद के परिसीमा में न रहकर
विभिन्न मान्यताओं के सकारात्मक पहलुओं
पर गौर किया जाए तो वह निःसंदेह मानवतावाद
के सर्वश्रेष्ठ बिंदु होगा।

भारत साहित्य रत्न, राष्ट्र लेखक
डॉ. अभिषेक कुमार
संस्थापक अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
जयहिन्द तेंदुआ, औरंगाबाद, बिहार

दिव्य प्रेरक कहानियाँ मानवता अनुसंधान केन्द्र
Divya Prerak Kahaniyan Humanity Research Center

Regd. Under Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of India
Regd. Under Process Indian Trust Act, 1882 Government of India

www.dpkavishek.in